हरदौल

एक भारतीय युवा की सोच

राकेश

हरदौल

Publishing-in-support-of,

FSP Media Publications

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.fspmedia.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-93-6026-108-5

Price: ₹ 214.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Publisher.

Printed in India

हरदौल

एक भारतीय युवा की सोच

राकेश

समर्पण

बुन्देलखण्ड के अमर युवा राजकुमार 'हरदौल'
और
वर्तमान भारत के युवाओं की जिज्ञासाओं
को समर्पित!

लेखक के बारे में

राकेश शर्मा का जन्म 29 जून 1982 को शिवपुरी (म.प्र.) में हुआ। लेखक को मेडीटेशन, राजनीति, सिनेमा के क्षेत्र में रूचि है। उन्होंने जीवाजी यूनिवर्सिटी ग्वालियर (म. प्र.) से वर्ष 2006 में एम.सी. ए. किया है। वर्तमान में वे सॉफ्टवेयर टैक्निकल लीडर के पद पर बैंगलोर में काम कर रहे हैं। साथ ही अपनी अगली किताब की योजना में व्यस्त हैं।

पुस्तक के बारे में

'हरदौल' बुन्देलखण्ड तथा आस–पास के क्षेत्रों के इतिहास में सर्वाधिक चर्चित युवा हैं। उन्हें अधिकतर 'देव–पुरूष' माना जाता है, जिसके लिए कई लोक–गाथाएँ प्रचलित हैं।

'हरदौल' को 'देव–पुरूष' की मान्यता होने की वजह से लोग उनके द्वारा किए गए महान कार्यों तथा जीवन का सूक्ष्म अध्ययन नहीं करते हैं क्योंकि उनके महान कार्यों के पीछे दैवीय–शक्ति का हाथ समझा जाता है। परंतु उन्होंने अवश्य ही सामान्य जन की तरह संघर्ष करके महान कार्य किए होंगे, जिनकी वजह से उन्हें 'देव–पुरूष' की तरह सम्मानित एवं सम्बोधित किया जाता है।

मैं काफी समय पहले हरदौल के प्रांत की राजधानी– वर्तमान में मध्यप्रदेश में 'ओरछा' शहर घूमने गया था। वहाँ उत्सुकता के चलते जानकारी के लिए हरदौल के जीवन–चरित्र पर एक किताब खरीद ली तथा उसके अध्ययन के पश्चात हरदौल के दैवीय विवरणों के अलावा सामान्य जीवन के विषय में कुछ रोचक जानकारियाँ मिलीं जैसे वो धर्म तथा सत्य की खोज के विषय में बहुत जिज्ञासु स्वभाव के थे, साथ ही राजनीति में उनकी जिज्ञासा तथा रूचि बहुत अधिक थी, जिसका पता उनके मुग़लों के साथ हुए संघर्षों से चलता है।

परंतु उस किताब में केवल इन सब बातों पर बहुत थोड़ी तथा संकेतात्मक जानकारी दी गई थी और उनके दैवीय–शक्ति सम्पन्नता वाली बातें, जो लोक–गाथाओं में

प्रचलित हैं, उन पर अधिक ज़ोर दिया गया था। जिससे सामान्य जन उनके जीवन चरित्र के सूक्ष्म अध्ययन से वंचित रह जाते हैं।

इन सम्मिलित जानकारियों को समझते, देखते हुए मैंने हरदौल पर एक किताब लिखने का निश्चय किया, जो किताब हरदौल के 'देव–पुरूष' वाली मान्यता के बजाए उनके जीवन–चरित्र के सूक्ष्म अध्ययन विशेषताओं को महत्व दे।

हरदौल निश्चय ही एक महान पुरूष थे, परंतु उनके जीवन की सच्ची घटनाओं की जानकारी प्राप्त करना अब संभव नहीं है और शायद ही सही जानकारियाँ ऐसी किसी इतिहास की किताब में मिल सकें।

इसलिए मैंने हरदौल के जीवन चरित्र पर एक पूरी तरह से काल्पनिक कहानी लिखने का निश्चय किया। इसमें उनके जीवन में घटित हुई कुछ आवश्यक घटनाओं का वर्णन है, साथ ही उनकी सोच व जीवन चरित्र को काल्पनिक रूप से बताने का प्रयास किया है।

हरदौल के खिलाफ हुई गहरी अमानवीय साज़िश के कारण वो ओरछा की सत्ता की बागडोर ज्यादा समय तक नहीं सम्भाल सकें, अन्यथा दूसरे महान भारतीय योद्धाओं जैसे महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी की तरह वह भी भारत के इतिहास में सुप्रसिद्ध व्यक्ति होते।

इस किताब को युवाओं पर केन्द्रित कर लिखने का प्रयास किया गया है।

इस किताब को मुख्यतः वर्तमान भारत को भी ध्यान में रखकर लिखा गया है।

क्योंकि उस समय के ओरछा राज्य की समस्याएँ तथा युवाओं की जिज्ञासाएँ, वर्तमान भारत की तरह ही हैं, जिसका एहसास आपको पढ़ते समय होगा।

हरदौल के इस काल्पनिक जीवन–चरित्र को दिखाने के लिए मैंने भारत की जानकारियाँ, जो वर्तमान तथा भूतकाल से जुड़ी हुई हैं, उनका गहन अध्ययन अपनी योग्यता तथा उपलब्ध समयानुसार किया है तथा हरदौल की कहानी को रोचक ढंग से लिखने के साथ–साथ युवाओं के लिए इस दुनिया की शुरूआत से ही पहेली बने विषयों – धर्म, काम एवं राजनीति पर भी लिखा है।

वर्तमान भारत के विषय में सही तथा गहरी जानकारी हासिल करने के लिए मैंने वर्तमान के सफल राजनेताओं तथा राष्ट्रवादियों जैसे नरेन्द्र मोदी, अरविन्द केजरीवाल, राजीव दीक्षित आदि को बहुत ध्यान से सुनने, पढ़ने तथा समझने का प्रयास किया है।

आशा है कि, यह किताब हरदौल की महान गाथा को भारत के कोने–कोने तक पहुँचाएगी।

घोषणा

यह किताब पूर्ण रूप से काल्पनिक कहानी पर आधारित है और पूरी तरह से लेखक के दिमाग की उपज है।

इस कहानी का आधार लेखक के द्वारा सुनी, पढ़ी गई जानकारियाँ तथा लेखक की कल्पना है।

इस कहानी के माध्यम से लेखक का इरादा अपने नायक हरदौल की छवि को एक आदर्श भारतीय युवा की तरह प्रस्तुत करके उनकी प्रशंसा करना है।

लेखक इस कहानी मे बताये गये किसी भी पात्र, नाम, घटना, स्थान, तथ्य आदि के सत्यता की कोई जिम्मेदारी नही लेता है।

यह कहानी पूरी तरह से मनोरंजन के लिये लिखी गई है। लेखक का इरादा किसी की भी भावनाओं को ठेस पहुचाने का नही है।

लेखक किसी विशेष व्यक्ति, जाति, समुदाय, राजनीति दल या संस्था का न ही समर्थन करता है और न ही विरोध करता है।

लेखक किसी धर्म या धर्म से संबंधित किसी भी धारणा का न ही समर्थन करता है और न ही विरोध करता है।

अनुक्रम

1.	हरदौल का परिचय	1
1.1	मजबूत सेना का गठन	14
1.2	काम तथा सौंदर्य पर चिंतन	22
1.3	धर्म पर चिंतन	33
1.4	प्रजातंत्र का निर्माण तथा विकास	46
1.5	व्यापार/रोजगार/भत्तों को बढ़ावा देना	52
2.	जुझार सिंह का आगरा छोड़ना	56
3.	औरंगजेब का ओरछा पर आक्रमण	69
4.	हिदायत खां का ओरछा आना	79
5.	आखिरी साज़िश	92

1

हरदौल का परिचय

हरदौल

एक भारतीय युवा की सोच

~~अर्थ~~, धर्म, काम, ~~मोक्ष~~, राजनीति; युवाओ के लिए इस दुनिया की शुरूआत से ही पहेली बने हुए हैं।

इन्हीं पहेलियों से उलझते और उन्हें सुलझाते एक युवा की अनोखी कहानी।

16 वीं शताब्दी में बुन्देलखण्ड के सबसे शक्तिशाली राज्य 'ओरछा' की सत्ता की बागडोर उसके एक युवा राजकुमार 'हरदौल' के हाथों में आ जाती है।

हरदौल, ओरछा को अंदर से सुरक्षित करने के लिए एक प्रजाधीन प्रशासन का निर्माण करते हैं। और बाहर से सुरक्षित करने के लिए एक मजबूत तथा आधुनिक तकनीकि सम्पन्न सेना का विकास करते हैं। शीघ्र ही ओरछा एक विकसित राज्य बनने लगता है। इसी को लेकर मुगलों तथा ओरछा मे लड़ाई होती है।

हरदौल के इस प्रकार बहुत कम उम्र मे बढ़ते प्रभाव के कारण उनके दुश्मन ओरछा तथा मुगल दरबार दोनो ही तरफ बढ़ने लगते है, और शुरूआत होती है मानवीय सोच से परे एक गहरी साज़िश की।

इस काल्पनिक कहानी को मुख्यतः वर्तमान भारत को ध्यान मे रखकर लिखा गया है।

कैसे ये कहानी वर्तमान भारत से पूरी तरह समानता रखती है ?
हरदौल ने धर्म तथा काम के कौन से रहस्य जाने ?
राजनीति के कौन से रहस्यों से पर्दा उठाया ?
हरदौल ने ओरछा को विकसित राज्य बनाने के लिए कौन से सूत्र अपनाए ?
हरदौल और मुग़लों की लड़ाई में किसकी जीत होती है ?
क्या थी हरदौल के खिलाफ वो मानवता को हिला देने वाली गहरी साज़िश ?

बुन्देलखण्ड के इतिहास के सबसे चर्चित युवा के इस जीवन–चरित्र को जानने के लिये पढ़े ..... **हरदौल – एक भारतीय युवा की सोच**।

लेखक से संपर्क हेतु:
✉ author.rakeshsharma@gmail.com

FSP
FSP MEDIA PUBLICATIONS

BOOK AVAILABLE
Flipkart
GET IT ON Google Play
amazon
amazonkindle

EBOOK AVAILABLE

ISBN 978-93-6026-108-5
9 789360 261085